खबर का असर : रिश्वतखोरी के आरोप पर हुई बड़ी कार्रवाई

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने दिए जांच के आदेश, सहायक सचिव अटैच

नवभारत न्यूज

गुना 21 अगस्त का। नवभारत में प्रकाशित खबर प्रधानमंत्री आवास में रिश्वतखोरी का आरोप का बड़ा असर सामने आया है। बमोरी जनपद की ग्राम पंचायत चक कांसल में ग्रामीणों की लगातार शिकायतों और समाचार पत्र की रिपोर्टिंग के बाद जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की जांच के आदेश जारी किए हैं।

जिला पंचायत की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि ग्राम पंचायत चक कांसल के सहायक सचिव मुकेश कुमार साहू के खिलाफ रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच एक माह की अवधि में पूरी की जाए। इसके साथ ही जांच पूरी होने तक सहायक सचिव को उनके मुख्यालय से हटाकर जनपद कार्यालय अटैच कर दिया गया है। यह कदम इसलिए उठाया गया ताकि जांच प्रभावित न हो और ग्रामीणों के बयान निष्पक्ष तरीके से दर्ज किए जा सकें।

गौरतलब है कि बीते कई सप्ताहों से चक कांसल और आसपास के बरसाती, निवेरी सहित अन्य गांवों के ग्रामीण जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में लगातार सचिव मुकेश साहू के खिलाफ ज्ञापन सौंप रहे थे। ग्रामीणों का आरोप था कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ दिलाने के नाम पर उनसे 30-30 हजार रुपये की अवैध वसूली की जा रही है। बिना रिश्वत दिए किसी भी हितग्राही की पहली किस्त जारी नहीं होती। कई ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया

प्रधानमंत्री आवास में रिश्वतखोरी का आरोप

सचिव की मनमानी से तंग आकर बरसाती के ग्रामीण पहुंचे जनसुनवाई

इनका कहना है

कि पिछले दो वर्षों से यह वसूली का खेल चल रहा है। बरसाती निवासी बृजेश नायक ने जनसुनवाई में कहा था कि जब उन्होंने आवास स्वीकृति के लिए सचिव से संपर्क किया तो उन्हें घर बुलाकर मोबाइल बाहर रखवा लिया गया और सीधे तौर पर 30 हजार रुपये की मांग की गई। ऐसा ही अनुभव अन्य कई ग्रामीणों ने भी साझा किया। वहीं निवेरी गांव के वीर सिंह सहरिया ने सोशल मीडिया पर भी भ्रष्टाचार उजागर करने की कोशिश की थी, लेकिन उनकी बातों को अनदेखा कर दिया गया।

नवभारत ने यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। इसके बाद ग्रामीणों का दबाव और समाचार की गूंज से प्रशासन हरकत में आया। आखिरकार विभाग ने कार्यवाही करते हुए जांच आदेश जारी कर दिए हैं। ग्रामीण अब उम्मीद कर रहे हैं कि इस जांच से सच्चाई सामने आएगी और अगर सचिव दोषी पाए जाते हैं तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सहायक सचिव मुकेश कुमार साहू ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है।

उनका कहना है कि किसी अन्य सचिव ने उनकी पंचायत की आवास आईडी पर फर्जी फोटो अपलोड कर राशि आहरित कर ली, जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस अधीक्षक को की थी। उसी के प्रतिशोध में उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। फिलहाल जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी की सख्ती के बाद ग्रामीणों में राहत है कि उनकी आवाज अब सुनी जा रही है।

जिला शिक्षा अधिकारी की खोखली रिपोर्ट, समूह की मनमानी के आगे प्रशासन नतमस्तक

नवभारत न्यूज

गुना। बमोरी विकासखंड के रामपुर टैंक एकीकृत विद्यालय में मध्यान्ह भोजन योजना की लगातार धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। मंगलवार को नवभारत द्वारा मिड-डे मील का काला सच उजागर करने के बाद यह उम्मीद जताई जा रही थी कि जिला शिक्षा अधिकारी और बीआरसी स्तर पर ठोस कार्रवाई होगी, लेकिन दो दिन बीत जाने के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं।

गुरुवार को तो समूह संचालक की मनमानी का आलम यह रहा कि स्कूल में भोजन ही नहीं बनाया गया। नतीजा यह हुआ कि 150 से अधिक बच्चे दिनभर भूखे ही रहे। विद्यालय के प्राचार्य संजय मराठा ने बताया कि गुरुवार को मां शारदा स्व-सहायता समूह ने मिड-डे मील बनाना ही उचित नहीं समझा। इस कारण सभी बच्चों को भूखे रहना पड़ा।

उन्होंने कहा कि यह पहला अवसर नहीं है। अक्सर समूह द्वारा बेहद कम मात्रा में खाना बनाया जाता है, जिससे बच्चों को अधपेट रहना पड़ता है। सबसे अधिक समस्या बालिका छात्रावास की बच्चियों को होती है, जिनकी संख्या करीब 100 है। प्राचार्य के अनुसार, उनका एक समय का भोजन विद्यालय पर ही निर्भर करता है, और जब समूह खाना नहीं बनाता, तो उन्हें केवल सुबह का हल्का नाश्ता खाकर ही दिन गुजारना पड़ता है।

रामपुर स्कूल में मिड-डे मील का काला सच

175 में से सिर्फ 50 बच्चों का बना खाना, थालियां धोने को मजबूर छात्र

इनका कहना है

पुरानी शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं

विद्यालय प्रबंधन समिति और प्राचार्य की ओर से पहले भी कई बार शिकायतें वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई जा चुकी हैं। लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल ने मंगलवार को ही बयान दिया था कि बीआरसी को जांच के निर्देश दिए गए हैं और दोषी पाए जाने पर सख्त कदम उठाए जाएंगे। लेकिन गुरुवार को बच्चों को खाना न मिलने की घटना साबित करती है कि विभाग समूह के दबाव में है और कोई ठोस कार्यवाही नहीं कर रहा।

बच्चों का स्वास्थ्य और भविष्य दांव पर

मध्यान्ह भोजन योजना का मकसद बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य और पढ़ाई में सुधार करना है, लेकिन रामपुर में हालात इसके उलट हैं। समूह संचालक की दबंगई के चलते कभी खाना अधूरा बनाया जाता है, कभी बच्चों को थालियां धोने पर मजबूर किया जाता है और अब तो सीधे-सीधे खाना बनाना ही बंद कर दिया गया। यह हालात न केवल योजना की बदहाली को दर्शाते हैं बल्कि शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

इनका कहना है

यह मामला जिला पंचायत सीईओ के संज्ञान में है। मामले की जांच चल रही है। जल्द ही इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजेश गोयल, डीईओ गुना

मां शारदा समूह की लगातार शिकायत करने के बाद भी वरिष्ठ अधिकारी ठोस कार्यवाही नहीं करते गांव के बच्चे तो घर खाना खा लेते पर छात्रावास की बच्चियां को भूखे रहना पड़ता है। गुरुवार को खाना ही बनाया गया ओर अन्य दिन भी काफी कम मात्रा में खाना बनाया जाता है जो सभी हो भी पाता आज भी समूह को नोटिस दिया गया है।

संजय मराठा, प्राचार्य रामपुर

गुनिया नदी किनारे अतिक्रमणों की जांच के लिए दल गठित

नवभारत न्यूज

गुना। गुनिया नदी पुनर्जीवन अभियान के तहत प्रशासन अब अतिक्रमणों की ओर भी सख्ती से कदम बढ़ा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शिवानी पाठक ने आदेश जारी कर गुनिया नदी किनारे चिन्हित 77 अतिक्रमणों की वस्तुस्थिति की जांच हेतु दल का गठन किया है। यह दल तीन दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और सभी चिन्हित अतिक्रमणों पर लाल पेंट से निशान भी अंकित करेगा।

जारी आदेश में नगर पालिका गुना के उपयंत्री सुनील जैन और उपयंत्री रामवीर शर्मा को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके साथ नोडल अधिकारी कैलाश नारायण साहू, पटवारी हेमराज मीना, दिनेश सिंह रघुवंशी, विश्वनाथ सिंह रघुवंशी, सुनील सिंह रघुवंशी, शिवशंकर ओझा, अजय श्रीवास्तव सहित कई पटवारी और सहायक राजस्व निरीक्षक शामिल किए गए हैं। इनके अलावा नगर पालिका के सहायक राजस्व निरीक्षक नीरज शर्मा, रवि धूरिया, शेरु केवट और माखन गोड को भी दल में सम्मिलित किया गया है।

इस जांच कार्य में स्थानीय स्तर पर गुनिया नदी से भलीभांति परिचित रूपसिंह लोधा, वीरेंद्र शर्मा, पुष्पराग शर्मा और विवेक शर्मा की भी उपस्थिति रहेगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि दल मौके पर जाकर प्रारूप के अनुसार अतिक्रमणों की जानकारी तैयार करेगा और उसे एसडीएम के समक्ष प्रस्तुत करेगा। गुनिया नदी पुनर्जीवन अभियान को लेकर प्रशासन लगातार प्रयासरत है। पिछले दिनों भारी वर्षा के बाद आई बाढ़ ने शहर की व्यवस्था को प्रभावित किया था। इसके स्थायी समाधान के लिए नदी का चौड़ीकरण, गहरीकरण और अतिक्रमण हटाना अनिवार्य माना जा रहा है। हाल ही में कलेक्टरेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, विधायक पन्नालाल शाक्य, नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता सहित जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने मिलकर गुनिया नदी को नया जीवन देने का संकल्प लिया था।

कलेक्टर ने कहा था कि नदी के प्रवाह को सुचारू बनाने और बाढ़ जैसी आपदाओं से बचने के लिए अतिक्रमण हटाना जरूरी है। इसी कड़ी में यह दल गठित किया गया है जो गुनिया नदी किनारे किए गए कब्जों की वास्तविक स्थिति का सर्वे करेगा। प्रशासन का मानना है कि यदि यह कार्य समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुआ तो न केवल बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान होगा बल्कि शहरवासियों को स्वच्छ जलधारा और प्राकृतिक संतुलन का लाभ भी मिलेगा।

इस ऐतिहासिक पहल में प्रशासन, जनप्रतिनिधि और नागरिक सभी की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इस तरह गुनिया नदी किनारे अतिक्रमणों की जांच और उन पर कार्रवाई की प्रक्रिया तेज हो गई है, जिससे आने वाले दिनों में गुना शहर को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

विधायक जयवर्धन सिंह आज आरोन में, विभिन्न कार्यक्रमों में लेंगे भाग

आरोन। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह 22 अगस्त को सुबह 11 बजे आरोन आएंगे। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोपाल सोनी ने बताया कि शुक्रवार को श्रीसिंह अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। श्री सिंह 11 बजे स्थानीय रेस्ट हाउस में कार्यकर्तासे मुलाकात करेंगे। तत्पश्चात शोक संवेदना व्यक्त करने कांग्रेस नेता गजनंन पटेल के निवास पर पहुंचेंगे। दोपहर 2 बजे सिविल अस्पताल आरोन में रोगी कल्याण समिति की बैठक लेंगे। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोपाल सोनी ने शहरी एवं ग्रामीण कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपने लाडले नेता एवं जिला कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त अध्यक्ष विधायक जयवर्धन सिंह की अगवानी कर कर जोरदार स्वागत करने की अपील की है।

बजरंगगढ़ में करंट लगाकर बेजुबान पशु की हत्या

नवभारत न्यूज

गुना। बजरंगगढ़ क्षेत्र में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि मानवता को भी झकझोर कर रख दिया। यहां बेजुबान और निरीह पशु की बेरहमी से करंट लगाकर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत पशु का शव बरामद किया। प्राथमिक जांच में स्पष्ट हुआ कि पशु की मौत बिजली के करंट की चपेट में आने से हुई है। इसके बाद वन विभाग ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना की जानकारी जैसे ही स्थानीय नागरिकों तक पहुंची, क्षेत्र में रोष फैल गया। लोगों ने इस नृशंस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि बेजुबान पशु की हत्या किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर उन पर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। वन विभाग की टीम ने पूरे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए आला अधिकारियों को भी रिपोर्ट भेजी है। फिलहाल मृत पशु का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, ताकि जांच रिपोर्ट को अदालत में पुख्ता सबूत के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। विभाग का कहना है कि दोषियों को किसी भी हाल में छोड़ा नहीं जाएगा। स्थानीय लोगों ने वन विभाग पर यह आरोप भी लगाया कि यदि निगरानी और गश्त सख्त होती तो ऐसी घटना घटित ही नहीं होती।

भारी बारिश के बीच दुर्गम क्षेत्र में नदी पार कर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने किया टीकाकरण

गुना। जिले के विकासखंड चांचौड़ा के एएनएम विहीन उप स्वास्थ्य केंद्रों के विभिन्न ग्रामों में टीकाकरण प्लान तैयार किया गया। जिसके अंतर्गत 21 अगस्त 25 को बरखेड़ा खुर्द, गोरियाखेड़ा, उप स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न ग्रामों में टीकाकरण हेतु एएनएम को भेजा गया। उप स्वास्थ्य केंद्र गोरिया खेड़ा के तीन ग्राम केशपुर में कविता पटेरिया, कानाखेड़ी में कमला इक्का, परवरिया में किरण परिहार नदी पार करके ग्राम तक पहुंची और महिला एवं बच्चों का टीकाकरण व स्वास्थ्य परीक्षण किया। उक्त तीनों एएनएम और क्षेत्र की अन्य एएनएम ने टीकाकरण कार्य को गंभीरता से लिया और लगातार हल्की बारिश होने के बाद भी सभी एएनएम प्लान अनुसार कर्तव्य पर पहुंचकर सेवाएं दी। वैक्सीन पहुंचने में वैक्सीन लिफ्टर का भी विशेष सहयोग रहा।

श्री गिरिराज मंदिर पाटई सरकार में चल रहा श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ

नवभारत न्यूज

गुना। जिले के प्रसिद्ध श्री गिरिराज मंदिर पाटई सरकार आश्रम में संगीतमय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन चल रहा है। यह आयोजन रविवार 17 अगस्त से प्रारंभ हुआ है और 24 अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक कथा का वाचन किया जा रहा है। सोमवार को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा। भागवत प्रवक्ता राकेश स्वामी महाराज, दाऊजी धाम पाटई सरकार आश्रम से कथा का वाचन कर रहे हैं। कथा परीक्षित के रूप में महेश धाकड़ एवं गुड्डो बाई ग्राम ककवासा वाले सेवाएं दे रहे हैं। आयोजन में श्रद्धालु प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंचकर भक्ति, भजन और कथा का आनंद ले रहे हैं। इस आयोजन की प्रतिष्ठा शुभम, नवल किशोर, दीपक, राहुल, मनीषा, शिवम, नेकराम और प्रियाशु सहित पूरा परिवार कर रहा है। कथा स्थल पर वातावरण भक्तिमय बना हुआ है, जहां दिनभर हरि नाम और भजनों की गूंज सुनाई दे रही है। कथा स्थल श्री गिरिराज जी महाराज पाटई सरकार आश्रम, जिला गुना में सजावट और श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण धार्मिक माहौल निर्मित हो गया है। श्रद्धालु पूर्णाहुति और भंडारे में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं।

शनिश्चरी अमावस्या 23 को, मंदिर में होगा हवन, अनुष्ठान और पूजन

रुठियाई। कस्बे के शनिदेव व नवग्रह मंदिर पर 23 अगस्त को शनिश्चरी अमावस्य के मौके पर विशेष जाप, अनुष्ठान किए जाएंगे। मंदिर के पुजारी पं. कैलाशनारायण ज्योतिषी, सहपुजारी बृजेश महाराज ने बताया कि, अमावस्या के मौके पर शनिवार सुबह 7 बजे से तेलमहाभिषेक के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद जाप, अनुष्ठान, पूजन और तेल अभिषेक आदि कार्यक्रम पूरे दिन चलेंगे। दोपहर 12 बजे सामूहिक महाआरती की जाएगी। मंदिर के पुजारी पं. ज्योतिषी के अनुसार वर्तमान में जिन राशियों पर शनिदेव की दृष्टि चल रही है उन जातकों को अमावस्या के दिन शनिदेव का तेल अभिषेक, जाप, अनुष्ठान और हवन कराने से काफी हद तक राहत मिलेगी। मंदिर पर धार्मिक कार्यक्रम की तैयारियां चल रही है। सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

जलभराव | रात और दिनभर में तीन इंच पानी गिरा, जिले में अब तक 1255 .0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

झमाझम बारिश से गुना और अंचल तरबतर

नवभारत न्यूज

गुना। गुना सहित पूरे अंचल में बुधवार-गुरुवार दरम्यानी रात से शुरू हुआ झमाझम बारिश का सिलसिला गुरुवार सुबह तक जारी रहा। देर रात से लगातार हुई बारिश ने जहां लोगों को गर्मी और उमस से राहत दी, वहीं शहर और ग्रामीण अंचल में जलभराव की समस्या भी खड़ी कर दी।

मौसम विभाग के अनुसार गुना शहर में गुरुवार शाम 8:30 बजे तक 79 मिमी यानी करीब तीन इंच बारिश दर्ज की गई। रातभर से जारी यह बरसात रुक-रुक कर गुरुवार शाम तक चलती रही, जिससे सडकें और निचले इलाकों में पानी भर गया। इस दौरान नदी नाले ऊफान पर रहे। म्याना के कटरा मोहल्ला में दो बाईक चालक नाले में बहते-बहते बचे।

उल्लेखनीय है कि बुधवार शाम से ही आसमान में बादल छाए रहे और रूक-रूक कर बारिश होती रही। लेकिन रात रात करीब 12 बजे के बाद झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। बारिश रातभर रुक-रुक कर होती रही, जिससे लोगों को नींद में भी लगातार बूंदाबांदी की आवाज सुनाई देती रही। गुरुवार सुबह जब लोग उठे तो हर ओर पानी ही पानी दिखाई दिया। शहर के कई निचले मोहल्लों और मुख्य बाजार क्षेत्र में जगह-जगह पर पानी भर गया, जिससे लोगों को आवाजाही में दिक्कत का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटे में हुई यह बारिश औसतन सामान्य से अधिक रही। विभाग ने यह भी बताया कि फिलहाल आने वाले दो दिन तक मौसम का यही मिजाज बना रहेगा और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। गुरुवार को दर्ज हुआ न्यूनतम तापमान सामान्य से थोड़ा नीचे रहा जबकि सुबह की नमी 98 प्रतिशत तक पहुंच गई।

इससे वातावरण पूरी तरह से भीग चुका है। लगातार हो रही बारिश ने ग्रामीण इलाकों की सडकों की हालत और खराब कर दी है। कई कच्चे रास्तों पर कीचड़ और फिसलन बढ़ गई है। वहीं खेतों में खड़ी फसलों को इस बरसात से फिलहाल फायदा होने की संभावना जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि यह पानी खरीफ की फसल के लिए अमृत समान है, हालांकि ज्यादा देर तक बारिश जारी रही तो जलभराव की समस्या फसल को नुकसान भी पहुंचा सकती है।

शहरवासियों के लिए यह बारिश राहत और मुसीबत दोनों लेकर आई है। एक ओर जहां मौसम सुहावना हो गया और गर्मी से राहत मिली, वहीं दूसरी ओर जलभराव और अव्यवस्थित नालियों की वजह से आमजन को परेशानी झेलनी पड़ी।

पिछले 24 घंटे में 38.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

इधर जिले में 01 जून से अब तक 1255.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जो कि सामान्य वर्षा का 119.1 प्रतिशत है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 855.5 औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1053.5 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून से 21 अगस्त प्रात: 8 बजे तक जिले के वर्षामापी केन्द्र गुना में 1592.1 मिलीमीटर, बमौरी में 1406.4, आरोन में 1030.0, राघौगढ़ में 1120.0, चांचौड़ा में 1180.0, कुम्भराज में 1107 तथा वर्षा मापी केन्द्र मक्सूदनगढ़ में 1349.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में 38.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में वर्षा मापी केन्द्र गुना में 53.8 मिमी., बमोरी में 22.0 मिमी., आरोन में 65.0 मिमी., राघौगढ़ में 29.0 मिमी., चांचौड़ा में 40.0 मिमी., कुंभराज में 16.0 एवं वर्षामापी केन्द्र मक्सूदनगढ़ में 41.0 मिमी. वर्षा दर्ज की गई।

भाकि संघ ने दिया धरना, जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

गुना। भारतीय किसान संघ जिला इकाई गुना ने गुरुवार को किसानों की तात्कालिक समस्याओं को लेकर नगर पालिका गेट के सामने धरना दिया। बड़ी संख्या में जुटे किसानों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए अपनी समस्याएं रखीं। इसके बाद संगठन के पदाधिकारी और किसान कलेक्टोरेट पहुंचे और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की। किसान संघ ने कहा कि इस वर्ष अति वर्षा के कारण गुना तहसील सहित पूरे जिले में मक्का समेत खरीफ की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। लगभग 70 प्रतिशत से अधिक फसल नष्ट हो चुकी है। किसानों ने मांग की कि फसलों का शीघ्र सर्वे कराकर उचित मुआवजा और बीमा राशि किसानों को तत्काल दी जाए, ताकि वे आने वाली रबी सीजन की तैयारी कर सकें। ज्ञापन में किसानों ने खाद की समस्या को भी गंभीर मुद्दा बताया। कहा गया कि पिछली रबी फसल के दौरान डीएपी और यूरिया की भारी कमी रही। किसान मजबूरी में ऊंचे दामों पर खाद खरीदने को विवश हुए। संघ ने मांग की कि आगामी सीजन में ऐसी स्थिति न बने। इसके लिए शासन-प्रशासन जिले की सभी सहकारी सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराए और नकद भुगतान पर सभी किसानों को खाद मिले। साथ ही सरकार को अभियान चलाकर हर किसान को सोसायटी का सदस्य बनाने की भी आवश्यकता है, भले ही उसने अन्य बैंक से किसान क्रेडिट कार्ड क्यों न ले रखा हो। गौमाता की समस्या को लेकर भी संघ ने आवाज उठाई। किसानों ने कहा कि सडकों और गांवों में बड़ी संख्या में निराश्रित गौमाता भटक रही हैं। इनको पंचायत की गौशालाओं में भेजकर चारे-पानी की व्यवस्था की जाए। जिन पशुओं के कानों में टैग लगे हैं, उनसे मालिक की पहचान कर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जाए। ज्ञापन में सहकारी समितियों में हो रहे भ्रष्टाचार पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। किसानों ने बताया कि धमनार सोसायटी के प्रबंधक के खिलाफ ठोस सबूतों के साथ शिकायतें की गईं, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसी प्रकार आरोन तहसील की रामपुर सोसायटी में भी बड़ा घोटाला सामने आया है। किसान संघ ने मांग की कि इन मामलों की उच्च स्तरीय जांच कर दोषी कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। धरने में मौजूद किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्यवाही नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।